दिनांक	आज्ञा पत्र	
30/10/23	पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वादेशानुसार दिनांक 12/11/23 को पेश हो।	
12/11/23	पत्रावली पेश हुई। वकील/ उभयपक्ष हाजिर। पीठासीन अधिकारी आज अन्य कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पूर्वादेशानुसार दिनांक 2/12/23 को पेश हो।	
2/12/23	पत्रावली पेश। अधि. उभयपक्ष हाजिर। पत्रावली वास्ते बहस दिनांक 8/12/23 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी, सीकर	
8/12/23	पत्रावली पेश। अधि. उभयपक्ष हाजिर। मूल वाद को आदेश 07 R 11 CPC के खारिज होने पर खारिज कर दिया गया है। मूल वाद के खारिज हो जाने पर प्रार्थना-पत्र स्थगन का कोई औचित्य नहीं है। अतः प्रार्थना-पत्र स्थगन को खारिज किया जाता है। पत्रावली नतीजा मुताबिक होकर नम्बर से कम हो, दाखिल दफ्तर हो। निर्णय आज मेरे हस्ताक्षर से सुनाया गया। उपखण्ड अधिकारी, सीकर	